NEWSLETTER

शनिवार, 06 अप्रैल 2024 | वॉल्यूम - 92

Weekly cotton bales market | Weekly cotton arrival | Important News

2024-25 में वैश्विक कपास उद्योग के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण: आईसीएसी अनुमान

GOLD : 70599
SILVER : 80850
CRUDE OIL : 7286

कॉटन खल का इतिहास और उपयोगिता

कॉटन खल, जिसे कॉटनसीड केक या कॉटनसीड मील के रूप में भी जाना जाता है, कॉटनसीड तेल निष्कर्षण प्रक्रिया का एक उपोत्पाद है। इसे कपास के बीजों को कुचलकर तेल निकालने और फिर बची हुई सामग्री को भोजन या केक में संसाधित करके प्राप्त किया जाता है। कपास खल प्रोटीन, फाइबर और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर है, जो इसे पशु आहार निर्माण में एक मूल्यवान घटक बनाता है।

कपास की प्रारंभिक खेती: कपास की खेती हजारों वर्षों से की जा रही है, इसके उपयोग के प्रमाण सिंधु घाटी और मेसोपोटामिया जैसी प्राचीन सभ्यताओं से मिलते हैं। प्रारंभ में, कपास मुख्य रूप से इसके रेशों के लिए उगाया जाता था, जिनका उपयोग कपड़ा बनाने के लिए किया जाता था।

बिनौला तेल की खोज: ऐतिहासिक रूप से, कपास के रेशों को बीजों से अलग करने के बाद बिनौला को एक अपशिष्ट उत्पाद माना जाता था। हालाँकि, 19वीं सदी में कपास के बीज से तेल निकालने की प्रक्रिया विकसित की गई थी। इस खोज ने तेल के मूल्यवान स्रोत के रूप में बिनौला की क्षमता को उजागर किया।

बिनौला खली उत्पादन में वृद्धि: जैसे-जैसे बिनौला तेल निष्कर्षण अधिक व्यापक होता गया, बिनौला खली या भोजन के रूप में जाना जाने वाला उपोत्पाद बड़े पैमाने पर उत्पादित किया जाने लगा। कॉटनसीड केक को शुरू में इसकी पोषक सामग्री के कारण उर्वरक के रूप में उपयोग किया जाता था, लेकिन पशु आहार घटक के रूप में इसका मूल्य जल्द ही स्पष्ट हो गया।

पशु आहार में उपयोग: 19वीं सदी के अंत और 20वीं सदी की शुरुआत तक, बिनौला खली पशु आहार निर्माण में एक प्रमुख घटक बन गया था। इसकी उच्च प्रोटीन सामग्री इसे डेयरी और बीफ मवेशियों, मुर्गीपालन और सूअर सहित पशुओं को खिलाने के लिए विशेष रूप से मूल्यवान बनाती है। कपास के बीज की खली के उपयोग से पशु आहार की पोषण गुणवत्ता में सुधार करने में मदद मिली और पशुधन की वृद्धि और उत्पादकता में सहायता मिली।

तकनीकी प्रगति : समय के साथ, तेल निष्कर्षण और प्रसंस्करण में तकनीकी प्रगति ने कपास के बीज के उत्पादन की दक्षता में सुधार किया। कॉटन खल की सुरक्षा और पोषण गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए गॉसिपोल जैसे पोषण-विरोधी कारकों को कम करने की तकनीक विकसित की गई, जो प्राकृतिक रूप से कपास के बीजों में मौजूद होता है और जानवरों के लिए जहरीला हो सकता है।

आधुनिक अनुप्रयोग: आज, बिनौला केक दुनिया भर में पशु आहार निर्माण का एक महत्वपूर्ण घटक बना हुआ है। इसका उपयोग पशुओं के लिए प्रोटीन और पोषक तत्वों का लागत प्रभावी स्रोत प्रदान करके पशुधन उद्योग का समर्थन करता है। इसके अतिरिक्त, प्रक्रिया के दौरान निकाले गए बिनौला तेल का उपयोग विभिन्न खाद्य और औद्योगिक अनुप्रयोगों में किया जाता है।

कपास खल के उपयोग:

पशुधन फ़ीड: कपास खल का उपयोग आमतौर पर पशुधन फ़ीड में प्रोटीन युक्त पूरक के रूप में किया जाता है, जिसमें डेयरी मवेशी, गोमांस मवेशी, मुर्गी पालन और अन्य पशुधन शामिल हैं। यह विकास, दूध उत्पादन और समग्र पशु स्वास्थ्य का समर्थन करने के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है।

उर्वरक : कपास खल को इसकी पोषक सामग्री के कारण जैविक उर्वरक के रूप में उपयोग किया जा सकता है। मिट्टी की उर्वरता में सुधार और पौधों के विकास को बढ़ावा देने के लिए इसे अक्सर कृषि क्षेत्रों में लागू किया जाता है।

जैव ईंधन उत्पादन : कुछ मामलों में, जैव ईंधन उत्पादन के लिए अतिरिक्त तेल निकालने के लिए कपास खल को आगे संसाधित किया जा सकता है। बचा हुआ भोजन अभी भी पशु आहार या उर्वरक के रूप में उपयोग किया जा सकता है।

खाद्य उद्योग में घटक: कपास खल को मानव उपभोग के लिए खाद्य उत्पादों में भी शामिल किया जा सकता है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां इसका आमतौर पर उत्पादन किया जाता है। इसका उपयोग विभिन्न खाद्य अनुप्रयोगों में किया जाता है जैसे कि पके हुए सामान, स्नैक्स और कुछ खाद्य उत्पादों में प्रोटीन पूरक के रूप में।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि जबकि कपास खल एक मूल्यवान संसाधन है, इसमें गॉसिपोल जैसे कुछ पोषण-विरोधी कारक भी होते हैं, जो बड़ी मात्रा में सेवन करने पर जानवरों के लिए विषाक्त हो सकते हैं। इन पोषण-विरोधी कारकों को कम करने और पशु आहार में कपास खल के उपयोग की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रसंस्करण विधियों की आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त, पशुधन की पोषण संबंधी आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए इसका उपयोग अन्य फ़ीड सामग्री के साथ संतुलित किया जाना चाहिए।

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77771

कॉटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77775

WEEKLY CHART 06.04.2024

ICE COTTON			
MONTH	28.03.24	05.04.24	WEEKLY CHANGE
MAY	91.38	86.25	-5.13
JULY	91.97	87.82	-4.15
DEC	83.99	82.64	-1.35
MCX (COTTON)			
MAY	62220	61500	-720
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1520	1518	-2
NCDEX (COCUD KHAL)			
APRIL	2551	2572	21
MAY	2580	2604	24
JUNE	2635	2628	-7
SMART INFO SERVICE		CALL : 91119 77775	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.4	83.30	-0.1
PAK (Pakistani Rupee)	278.113	277.553	-0.56
CNY (Chinese yuan)	7.22984	7.23290	0.00306
BRAZIL (Real)	4.99225	5.05227	0.06002
AUSTRALIAN Dollar	1.54103	1.51956	-0.02147
MALAYSIAN RINGGITS	4.73304	4.74792	0.01488
COTLOOK "A" INDEX	95.60	92.60	-3
BRAZIL COTTON INDEX	81.44	79.48	-1.96
USDA SPOT RATE	84.74	79.36	-5.38
MCX SPOT RATE	60420	60580	160
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	21500	21500	0
GOLD ($)	2220.25	2349.10	128.85
SILVER ($)	24.625	27.600	2.975
CRUDE ($)	81.98	86.73	4.75

इस सप्ताह इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज में दिखी गिरावट।

इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज के मई एवं जुलाई के लिए कॉटन के भाव 5.13 एवं 4.15 सेंट तक गिरे, तथा दिसंबर माह में सबसे कम कॉटन के भाव 1.35 सेंट तक गिरे।

भारतीय बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर कॉटन के दाम में मई माह के लिए 720 रुपऐ की गिरावट देखी गई।

एनसीडीइएक्स पर कपास के भाव 2 रूपए प्रति 20 किलो तक गिरे, वहीं खल के भाव में अप्रैल और मई माह में 21 और 24 रुपए तक की बढ़त दर्ज की गई |

अन्य देशों के कॉटन मार्केट पर नजर करें तो कॉटलुक "ए" इंडेक्स में गिरावट देखी गई , यूएसडीए स्पॉट रेट भी 5.38 सेंट गिरे जबकि एमसीएक्स स्पॉट 160 रुपए बढ़े, वही ब्राजील कॉटन इंडेक्स पर 1.96 अंक की गिरावट दर्ज की गई है।

देश भर के प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में इस सप्ताह कपास की आवक

SMART INFO SERVICES

ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL

CALL : 91119 77775

STATE	01.04.24	02.04.24	03.04.24	04.04.24	05.04.24	06.04.24
PUNJAB	500	500	500	500	500	500
HARYANA	2,000	2,000	2,500	2,500	2,500	2,500
UPPER RAJASTHAN	1,200	1,200	1,200	1,200	1,200	1,000
LOWER RAJASTHAN	700	800	700	700	500	500
NORTH ZONE	4,400	4,500	4,900	4,900	4,700	4,500
GUJRAT	21,000	20,000	20,000	20,000	20,000	18,000
MADHYA PRADESH	2,000	3,000	3,000	4,000	4,000	3,000
MAHARASHTRA	25,000	25,000	25,000	25,000	25,000	23,000
CENTRAL ZONE	48,000	48,000	48,000	49,000	49,000	44,000
KARNATAKA	2,000	2,000	3,000	3,000	3,000	2,000
ANDHRA PRADESH	1,000	800	1,000	1,000	1,000	1,000
TELANGANA	1,000	1,000	1,000	800	800	500
TAMILNADU	200	200	200	200	100	100
SOUTH ZONE	4,200	4,000	5,200	5,000	4,900	3,600
ODISHA	100	100	100	100	100	100
TOTAL	56,700	56,600	58,200	59,000	58,700	52,200
ARRIVAL IN 170 Kg.		Remarks: Monday, 25th March 2024 Holi-Holiday				

2024-25 में वैश्विक कपास उद्योग के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण: आईसीएसी अनुमान

अंतर्राष्ट्रीय कपास सलाहकार समिति (ICAC) ने 2024-25 सीज़न में वैश्विक कपास उद्योग के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण का संकेत देते हुए अनुमान जारी किया है। रिपोर्ट में प्रमुख बिंदु इस प्रकार हैं:

कपास उत्पादन, उपभोग और व्यापार में वृद्धि: आईसीएसी को 2024-25 सीज़न के लिए कपास उत्पादक क्षेत्र, उत्पादन, खपत और व्यापार में वृद्धि का अनुमान है। इसका श्रेय अनुकूल मौसम स्थितियों जैसे कारकों को दिया जाता है, जो कपास उत्पादन को ऊपर की ओर ले जाने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

उत्पादन पर मौसम का प्रभाव हाल के वर्षों में कपास उत्पादन को प्रभावित करने वाले प्राथमिक कारक के रूप में मौसम की स्थिति की पहचान की गई है। प्रतिकूल मौसम के कारण चालू सीजन में कपास के रकबे में कमी आई है। हालाँकि, आईसीएसी का सुझाव है कि आगामी सीज़न में मौसम अधिक अनुकूल रहने की उम्मीद है, जिससे उत्पादन में वृद्धि होगी।

उपज की उम्मीदें उत्पादन में अनुमानित वृद्धि के बावजूद, पैदावार में 0.12% की मामूली कमी होकर 768 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर होने की उम्मीद है। इस गिरावट के लिए वैश्विक जलवायु परिवर्तन और कीट दबाव के कारण होने वाली चरम मौसम की घटनाओं सहित विभिन्न कारकों को जिम्मेदार ठहराया गया है।

अनुमानित आंकड़े आईसीएसी ने पिछले सीज़न की तुलना में कपास उत्पादक क्षेत्र में 3% की वृद्धि का अनुमान लगाया है, जो 32.85 मिलियन हेक्टेयर तक पहुंच गया है। उत्पादन 2.5% से अधिक बढ़कर 25.22 मिलियन टन होने की उम्मीद है, जबकि खपत 2.9% बढ़कर 25.37 मिलियन टन होने का अनुमान है। आयात और निर्यात सहित वैश्विक कपास व्यापार लगभग 4% बढ़कर 9.94 मिलियन टन होने की उम्मीद है।

मूल्य पूर्वानुमान 2023-24 के सीज़न-औसत ए-इंडेक्स के लिए आईसीएसी का मूल्य पूर्वानुमान 85.67 सेंट से 100.62 सेंट तक है, जिसका मध्य बिंदु 92.20 सेंट प्रति पाउंड है। यह आगामी सीज़न के दौरान कपास के लिए अपेक्षित मूल्य सीमा की जानकारी प्रदान करता है।

कुल मिलाकर, आईसीएसी के अनुमान 2024-25 सीज़न में वैश्विक कपास उद्योग के लिए सकारात्मक विकास की संभावनाओं का संकेत देते हैं, जो अनुकूल मौसम की स्थिति और उत्पादन, खपत और व्यापार में प्रत्याशित वृद्धि जैसे कारकों से प्रेरित है। हालाँकि, रिपोर्ट जलवायु परिवर्तन और कीट दबाव जैसी मौजूदा चुनौतियों को भी स्वीकार करती है जो दुनिया भर में कपास उत्पादन को प्रभावित कर रही हैं।

सीसीआई: इस सप्ताह एफपी कॉटन बेल्स की क्रेतावार बिक्री

CCI : This Week Buyer Wise Sales of FP Cotton Bales
SMART INFO SERVICE
CALL : 91119 77775

S.NO.	BUYER NAME	01.04.24	02.04.24	03.04.24	04.04.24	05.04.24	TOTAL
1	AARIKA SPINTEX	800	1000				1800
2	ADISANKARA SPINNING MILLS LTD	2100	1300				3400
3	AKSHARA SPINNING MILLS PRIVATE LIMITED	2200	500				2700
4	ALOK INDUSTRIES LTD.	1800	2499				4299
5	BANNARI AMMAN SPINNING MILLS LIMITED	1100	800	1500	1500	1900	6800
6	GARG ACRYLICS LIMITED	5000					5000
7	GEETHA KRISHNA SPINNING MILLS PVT. LTD.	300					300
8	GURULAXMI TEXTILES PVT LTD	1500					1500
9	MARUTI COTEX LIMITED	3300	3200				6500
10	MITTAPALLI SPINNERS LTD.	300			600		900
11	SAHANA TEXTILES	1500					1500
12	SIVASWATI TEXTILES PVT LTD	3500	2700	4900	900		12000
13	STC COTYARN EXIM PRIVATE LIMITED	500	300	500			1300
14	SUPRIYA SPINNING MILLS PVT. LTD.	1100					1100
15	VISHWATRIVENI COTSPIN PRVIATE LIMITED	500					500
16	SIVASUBRAMANIA TEXTILES		1700				1700
17	KAVERI YARN AND FABRICS LTD		300				300
18	VASANTHA INDUSTIRES LTD.		500	2700			3200
19	PATCHALA SPINTEX PVT LTD.		1000				1000
	SMART INFO SERVICE CALL : 91119 77775						
20	NAHAR GROUP OF COMPANIES/ NAHAR SPINNING MILLS LTD		12282				12282
21	EVEREADY COTTON MILLS PRIVATE LIMITED		2000				2000
22	BRINDAVAN COTTON MILLS PVT LTD.		3200				3200
23	SANTHALAKSHMI MILLS INDIA LLP		200				200
24	SIVANTA SPUNTEX PRIVATE LIMITED		800	1000	1600		3400
25	PREMIER TEX PRODUCTS PVT. LTD.			300			300
26	VETRI VINAYAKAA SPINNERS			100			100
27	SUDIVA SPINNERS PVT. LTD.			900			900
28	TRIDENT LTD.			11900			11900
29	GUNTUR SPINNING MILLS PRIVATE LIMITED			900			900
30	SHIVA TEXTILES PVT. LTD.			100			100
31	AVANTI MILL WORKERS IND. CO-OP. SOC.			200			200
32	BR.SHESHRAO WANKHEDE SHETKARI SAHAKARI SOOT GIRNI LTD.			500			500
33	SRI SHANMUGAVEL MILLS GROUP			5500			5500
34	SRI SALASAR BALAJI TEXTILES PVT. LTD.			1100			1100
35	PERIYANAYAKKI COTTON MILL			1300	700	300	2300
36	GTN INDUSTRIES LIMITED			500			500
37	SUPER SALES INDIA LTD.				2500		2500
38	SURIYAGIRI SPG. MILLS P LTD.				1100		1100
39	SSV SPINNERS PVT LTD				900		900
40	SRI VIGNESH YAR PRIVATE LIMITED				1400		1400
41	S.S.SPINNING MILLS				1100		1100
42	SHRI SIDDHIVINAYAGA TEX INDIA PRIVATE LIMITED (GROUP OF MILLS)					500	500
43	CENTRAL SLIVER PLANT, KVIC, KUTTUR					700	700
	THIS WEEK TOTAL	25500	34281	33900	12300	3400	109381

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

म्यांमार का लक्ष्य 2024-25 वित्तीय वर्ष के लिए कपास की खेती में महत्वपूर्ण विस्तार करना है
म्यांमार अपने कपास उद्योग के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित कर रहा है, जिसमें 2024-25 वित्तीय वर्ष में छह राज्यों और क्षेत्रों में 600,000 एकड़ से अधिक कपास की खेती करने की योजना है। म्यांमार की आधिकारिक ग्लोबल न्यू लाइट ने बताया कि देश का लक्ष्य 19 कपास खेती क्षेत्रों में कुल 612,712 एकड़ कपास की खेती करने का है।

फसल की प्राथमिकताएं बदलने से भारत के कपास उत्पादन पर असर पड़ सकता है: यूएसडीए
यूएसडीए की विदेशी कृषि सेवा (एफएएस) ने विभिन्न कारकों के कारण भारत के कपास उत्पादन में दो प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया है। इसने 2024-25 के लिए 25.4 मिलियन गांठ 480 पौंड (0.453 किलोग्राम के बराबर) कपास उत्पादन का अनुमान लगाया है। इसके अतिरिक्त, इसने देश में 12.4 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र में कपास की बुआई होने का अनुमान लगाया है। रिपोर्ट बताती है कि किसान कपास के बजाय अधिक रिटर्न वाली फसलों, जैसे दालें, मक्का और धान की ओर रुख कर सकते हैं।

जनवरी-फरवरी, 2024 में पाकिस्तान का चीन को सूती धागे का निर्यात बढ़कर 100 मिलियन डॉलर से अधिक हो गया: डेटा
विशेषज्ञों का अनुमान है कि अच्छी पैदावार के कारण इस साल चीन को पाकिस्तान के सूती धागे के निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। 2024 के पहले दो महीनों में, पाकिस्तान का चीन को सूती धागे का निर्यात 100 मिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है।

2024 में बेहतर वर्ष के लिए कपास उद्योग को अधिक मांग की आवश्यकता है
कपास उद्योग एक बेहतर वर्ष और मांग में बढ़ोतरी की उम्मीद कर रहा है। यह 2 अप्रैल को लब्बॉक में प्लेन्स कॉटन ग्रोअर्स (पीसीजी) की 67वीं वार्षिक बैठक का मुख्य संदेश था।

भारतीय कपड़ा क्षेत्र फिर से शीर्ष पर कैसे आ सकता है? जलवायु के प्रति जागरूक विश्व की कुंजी है
देश ने कपड़ा निर्यात बाजार में कुछ जमीन छोटी अर्थव्यवस्थाओं को सौंप दी है। लेकिन यह केवल उस पारंपरिक दृष्टिकोण का लाभ उठाकर फिर से एक निर्विवाद नेता बन सकता है जिसकी दुनिया अभी से चाहत रखती है।

इस सप्ताह, रुई बाजार में गिरावट वाला माहौल रहा, विभिन्न क्षेत्रों में कपास की कीमतों में गिरावट देखी गयी।

नार्थ झोन पंजाब, हरयाणा और अपर राजस्थान की कीमतों में 50 से 85 रुपये प्रति मंड तक की गिरावट देखी गई।

सेंट्रल झोन में गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में क्रमशः 300,500 और 700 रुपए प्रति कैंडी की गिरावट देखी गई।

साउथ झोन ओडिशा, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में 300 से 500 रुपए की गिरावट रही, तेलंगाना में सबसे ज्यादा 800 रुपए प्रति कैंडी की गिरावट देखि गई।

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91119 77775

DATE: 06.04.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	01.04.24		06.04.24		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	6,000	6,050	5,925	5,975	-75
HARYANA	27.5/28	5,960	5,960	5,875	5,875	-85
UPPER RAJASTHAN	28	5,500	6,100	5,475	6,050	-50
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	60,800	61,000	60,500	60,700	-300
MADHYA PRADESH	29	60,000	60,500	59,600	60,000	-500
MAHARASHTRA	29+ vid.	60,700	61,000	60,000	60,300	-700
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	61,900	62,000	61,500	61,600	-400
KARNATAKA	29 mm	60,500	61,000	60,000	60,500	-500
ANDHRA PRADESH	29	59,800	60,300	59,700	60,000	-300
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	60,800	61,800	60,500	61,000	-800

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy

NEWSLETTER

Saturday, 06 April 2024 | Volume - 92

Weekly cotton bales market | Weekly cotton arrival | Important News

Positive outlook for global cotton industry in 2024-25: ICAC projections

GOLD : 70599
SILVER : 80850
CRUDE OIL : 7286

History and utility of cotton khal

Cotton cake, also known as cottonseed cake or cottonseed meal, is a byproduct of the cottonseed oil extraction process. It is obtained by crushing cotton seeds to extract the oil and then processing the remaining material into meal or cake. Cotton cake is rich in protein, fiber and other nutrients, making it a valuable ingredient in animal feed manufacturing.

Early Cultivation of Cotton: Cotton has been cultivated for thousands of years, with evidence of its use dating back to ancient civilizations such as the Indus Valley and Mesopotamia. Initially, cotton was grown primarily for its fibers, which were used to make cloth.

Discovery of Cottonseed Oil: Historically, cottonseed was considered a waste product after the cotton fibers were separated from the seeds. However, a process for extracting oil from cotton seeds was developed in the 19th century. This discovery highlighted the potential of cottonseed as a valuable source of oil.

Increase in Cottonseed Cake Production: As cottonseed oil extraction became more widespread, a byproduct known as cottonseed cake or meal began to be produced on a large scale. Cottonseed cake was initially used as a fertilizer because of its nutrient content, but its value as an animal feed ingredient soon became apparent.

Uses in Animal Feed: By the late 19th and early 20th centuries, cottonseed meal had become a major ingredient in animal feed manufacturing. Its high protein content makes it particularly valuable for feeding livestock including dairy and beef cattle, poultry and swine. The use of cotton seed cake helped in improving the nutritional quality of animal feed and aided the growth and productivity of livestock.

Technological advances: Over time, technological advances in oil extraction and processing improved the efficiency of cotton seed production. To enhance the safety and nutritional quality of cottonseed meal, techniques were developed to reduce anti-nutritional factors such as gossypol, which is naturally present in cotton seeds and can be toxic to animals.

Modern Applications: Today, cottonseed cake remains an important component of animal feed manufacturing throughout the world. Its use supports the livestock industry by providing a cost-effective source of protein and nutrients for animals. Additionally, the cottonseed oil extracted during the process is used in various food and industrial applications.

Uses of cotton khal:

Livestock Feed: Cottonseed meal is commonly used as a protein-rich supplement in livestock feed, including dairy cattle, beef cattle, poultry and other livestock. It provides essential nutrients to support growth, milk production and overall animal health.

Fertilizer: Cotton cake can be used as organic fertilizer due to its nutrient content. It is often applied in agricultural fields to improve soil fertility and promote plant growth.

Biofuel production: In some cases, cotton cake can be further processed to remove excess oil for biofuel production. Leftover food can still be used as animal feed or fertilizer.

Ingredients in the food industry: Cottonseed cake can also be incorporated into food products for human consumption, especially in areas where it is commonly produced. It is used in various food applications such as baked goods, snacks and as a protein supplement in some food products.

It is important to note that while cottonseed meal is a valuable resource, it also contains some anti-nutritional factors, such as gossypol, which can be toxic to animals if consumed in large quantities. Appropriate processing methods are required to minimize these anti-nutritional factors and ensure the safety of cottonseed meal use in animal feed. Additionally, its use must be balanced with other feed ingredients to effectively meet the nutritional requirements of livestock.

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION CONTACT - +91 - 91119 77771

A look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES			
CALL : 91119 77775			
WEEKLY CHART 06.04.2024			
ICE COTTON			
MONTH	28.03.24	05.04.24	WEEKLY CHANGE
MAY	91.38	86.25	-5.13
JULY	91.97	87.82	-4.15
DEC	83.99	82.64	-1.35
MCX (COTTON)			
MAY	62220	61500	-720
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1520	1518	-2
NCDEX (COCUD KHAL)			
APRIL	2551	2572	21
MAY	2580	2604	24
JUNE	2635	2628	-7
SMART INFO SERVICE		CALL : 91119 77775	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.4	83.30	-0.1
PAK (Pakistani Rupee)	278.113	277.553	-0.56
CNY (Chinese yuan)	7.22984	7.23290	0.00306
BRAZIL (Real)	4.99225	5.05227	0.06002
AUSTRALIAN Dollar	1.54103	1.51956	-0.02147
MALAYSIAN RINGGITS	4.73304	4.74792	0.01488
COTLOOK "A" INDEX	95.60	92.60	-3
BRAZIL COTTON INDEX	81.44	79.48	-1.96
USDA SPOT RATE	84.74	79.36	-5.38
MCX SPOT RATE	60420	60580	160
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	21500	21500	0
GOLD ($)	2220.25	2349.10	128.85
SILVER ($)	24.625	27.600	2.975
CRUDE ($)	81.98	86.73	4.75

There was a decline in the International Cotton Exchange this week.

International Cotton Exchange cotton prices fell to 5.13 and 4.15 cents for May and July, respectively, and the lowest cotton prices for the month of December fell to 1.35 cents.

In the Indian market, a fall of Rs 720 was seen in the price of cotton on Multi Commodity Exchange (MCX) for the month of May.

On NCDEX, cotton prices fell by Rs 2 per 20 kg, while the price of cottonseeds increased by Rs 21 and 24 in the months of April and May.

If we look at the cotton market of other countries, a decline was seen in the Cotlook "A" index, USDA spot rate also fell by 5.38 cents while MCX spot rose by Rs 160, while a decline of 1.96 points was recorded on the Brazilian Cotton Index.

Cotton arrival this week in major cotton producing states across the country

SMART INFO SERVICES

ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL

CALL : 91119 77775

STATE	01.04.24	02.04.24	03.04.24	04.04.24	05.04.24	06.04.24
PUNJAB	500	500	500	500	500	500
HARYANA	2,000	2,000	2,500	2,500	2,500	2,500
UPPER RAJASTHAN	1,200	1,200	1,200	1,200	1,200	1,000
LOWER RAJASTHAN	700	800	700	700	500	500
NORTH ZONE	4,400	4,500	4,900	4,900	4,700	4,500
GUJRAT	21,000	20,000	20,000	20,000	20,000	18,000
MADHYA PRADESH	2,000	3,000	3,000	4,000	4,000	3,000
MAHARASHTRA	25,000	25,000	25,000	25,000	25,000	23,000
CENTRAL ZONE	48,000	48,000	48,000	49,000	49,000	44,000
KARNATAKA	2,000	2,000	3,000	3,000	3,000	2,000
ANDHRA PRADESH	1,000	800	1,000	1,000	1,000	1,000
TELANGANA	1,000	1,000	1,000	800	800	500
TAMILNADU	200	200	200	200	100	100
SOUTH ZONE	4,200	4,000	5,200	5,000	4,900	3,600
ODISHA	100	100	100	100	100	100
TOTAL	56,700	56,600	58,200	59,000	58,700	52,200
ARRIVAL IN 170 Kg.	Remarks: Monday, 25th March 2024 Holi-Holiday					

Positive outlook for global cotton industry in 2024-25: ICAC projections

The International Cotton Advisory Committee (ICAC) has released projections indicating a positive outlook for the global cotton industry in the 2024-25 season. Key points in the report are:

Growth in cotton production, consumption and trade: ICAC estimates growth in cotton growing area, production, consumption and trade for the 2024-25 season. This is attributed to factors such as favorable weather conditions, which are important for pushing cotton production upward.

Impact of weather on production Weather conditions have been identified as the primary factor affecting cotton production in recent years. Due to adverse weather, the area under cotton has decreased in the current season. However, ICAC suggests that the weather is expected to be more favorable in the upcoming season, which will lead to increased production.

Yield Expectations Despite the projected increase in production, yields are expected to decline marginally by 0.12% to 768 kg per hectare. This decline has been attributed to a variety of factors, including extreme weather events caused by global climate change and pest pressure.

Estimated figures ICAC estimates a 3% increase in cotton-growing area compared to the previous season, reaching 32.85 million hectares. Production is expected to increase by more than 2.5% to 25.22 million tonnes, while consumption is expected to increase by 2.9% to 25.37 million tonnes. Global cotton trade, including imports and exports, is expected to grow by about 4% to 9.94 million tonnes.

Price Forecast ICAC's price forecast for the 2023-24 season-average A-index ranges from 85.67 cents to 100.62 cents, with the midpoint at 92.20 cents per pound. It provides information about the expected price range for cotton during the upcoming season.

Overall, ICAC projections indicate positive growth prospects for the global cotton industry in the 2024-25 season, driven by factors such as favorable weather conditions and anticipated growth in production, consumption and trade. However, the report also acknowledges current challenges such as climate change and pest pressure that are affecting cotton production around the world.

CCI : This Week Buyer Wise Sales of FP Cotton Bales

CCI : This Week Buyer Wise Sales of FP Cotton Bales
SMART INFO SERVICE
CALL : 91119 77775

S.NO.	BUYER NAME	01.04.24	02.04.24	03.04.24	04.04.24	05.04.24	TOTAL
1	AARIKA SPINTEX	800	1000				1800
2	ADISANKARA SPINNING MILLS LTD	2100	1300				3400
3	AKSHARA SPINNING MILLS PRIVATE LIMITED	2200	500				2700
4	ALOK INDUSTRIES LTD.	1800	2499				4299
5	BANNARI AMMAN SPINNING MILLS LIMITED	1100	800	1500	1500	1900	6800
6	GARG ACRYLICS LIMITED	5000					5000
7	GEETHA KRISHNA SPINNING MILLS PVT. LTD.	300					300
8	GURULAXMI TEXTILES PVT LTD	1500					1500
9	MARUTI COTEX LIMITED	3300	3200				6500
10	MITTAPALLI SPINNERS LTD.	300			600		900
11	SAHANA TEXTILES	1500					1500
12	SIVASWATI TEXTILES PVT LTD	3500	2700	4900	900		12000
13	STC COTYARN EXIM PRIVATE LIMITED	500	300	500			1300
14	SUPRIYA SPINNING MILLS PVT. LTD.	1100					1100
15	VISHWATRIVENI COTSPIN PRVIATE LIMITED	500					500
16	SIVASUBRAMANIA TEXTILES		1700				1700
17	KAVERI YARN AND FABRICS LTD		300				300
18	VASANTHA INDUSTIRES LTD.		500	2700			3200
19	PATCHALA SPINTEX PVT LTD.		1000				1000
	SMART INFO SERVICE CALL : 91119 77775						
20	NAHAR GROUP OF COMPANIES/ NAHAR SPINNING MILLS LTD		12282				12282
21	EVEREADY COTTON MILLS PRIVATE LIMITED		2000				2000
22	BRINDAVAN COTTON MILLS PVT LTD.		3200				3200
23	SANTHALAKSHMI MILLS INDIA LLP		200				200
24	SIVANTA SPUNTEX PRIVATE LIMITED		800	1000	1600		3400
25	PREMIER TEX PRODUCTS PVT. LTD.			300			300
26	VETRI VINAYAKAA SPINNERS			100			100
27	SUDIVA SPINNERS PVT. LTD.			900			900
28	TRIDENT LTD.			11900			11900
29	GUNTUR SPINNING MILLS PRIVATE LIMITED			900			900
30	SHIVA TEXTILES PVT. LTD.			100			100
31	AVANTI MILL WORKERS IND. CO-OP. SOC.			200			200
32	BR.SHESHRAO WANKHEDE SHETKARI SAHAKARI SOOT GIRNI LTD.			500			500
33	SRI SHANMUGAVEL MILLS GROUP			5500			5500
34	SRI SALASAR BALAJI TEXTILES PVT. LTD.			1100			1100
35	PERIYANAYAKKI COTTON MILL			1300	700	300	2300
36	GTN INDUSTRIES LIMITED			500			500
37	SUPER SALES INDIA LTD.				2500		2500
38	SURIYAGIRI SPG. MILLS P LTD.				1100		1100
39	SSV SPINNERS PVT LTD				900		900
40	SRI VIGNESH YAR PRIVATE LIMITED				1400		1400
41	S.S.SPINNING MILLS				1100		1100
42	SHRI SIDDHIVINAYAGA TEX INDIA PRIVATE LIMITED (GROUP OF MILLS)					500	500
43	CENTRAL SLIVER PLANT, KVIC, KUTTUR					700	700
	THIS WEEK TOTAL	25500	34281	33900	12300	3400	109381

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

Myanmar aims to significantly expand cotton cultivation for 2024-25 financial year
Myanmar is setting ambitious goals for its cotton industry, with plans to cultivate more than 600,000 acres of cotton across six states and territories in the 2024-25 fiscal year. Myanmar's official Global New Light reported that the country aims to cultivate a total of 612,712 acres of cotton in 19 cotton farming areas.

Changing crop priorities could impact India's cotton production: USDA
USDA's Foreign Agricultural Service (FAS) has estimated a two percent decline in India's cotton production due to various factors. It estimates cotton production at 25.4 million bales of 480 lb (equivalent to 0.453 kg) for 2024–25. Additionally, it has estimated cotton sowing area in the country at 12.4 million hectares. The report suggests that farmers may turn to higher return crops, such as pulses, maize and paddy, instead of cotton.

Pakistan's cotton yarn exports to China increase to over $100 million in January-February, 2024: Data
Experts predict that due to good harvest, there will be a significant increase in Pakistan's cotton yarn exports to China this year. In the first two months of 2024, Pakistan's cotton yarn exports to China are expected to cross the $100 million mark.

Cotton industry needs more demand for better year in 2024
The cotton industry is looking forward to a better year and an increase in demand. That was the key message at the 67th annual meeting of the Plains Cotton Growers (PCG) in Lubbock on April 2.

How can the Indian textile sector come back on top? The key to a climate conscious world
The country has ceded some ground in the textile export market to smaller economies. But it can only leverage that traditional approach to again become the undisputed leader that the world craves from now on

This week, the cotton market remained in a bearish mood, with cotton prices falling across various regions.

In North Zone Punjab, Haryana and Upper Rajasthan, prices fell by Rs 50 to Rs 85 per maund.

In the Central Zone, Gujarat, Madhya Pradesh and Maharashtra witnessed a fall of Rs 300,500 and Rs 700 per candy respectively.

In South Zone Odisha, Karnataka and Andhra Pradesh there was a fall of Rs 300 to 500, in Telangana the highest fall of Rs 800 per candy was seen.

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91119 77775

DATE: 06.04.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	01.04.24		06.04.24		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	6,000	6,050	5,925	5,975	-75
HARYANA	27.5/28	5,960	5,960	5,875	5,875	-85
UPPER RAJASTHAN	28	5,500	6,100	5,475	6,050	-50
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	60,800	61,000	60,500	60,700	-300
MADHYA PRADESH	29	60,000	60,500	59,600	60,000	-500
MAHARASHTRA	29+ vid.	60,700	61,000	60,000	60,300	-700
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	61,900	62,000	61,500	61,600	-400
KARNATAKA	29 mm	60,500	61,000	60,000	60,500	-500
ANDHRA PRADESH	29	59,800	60,300	59,700	60,000	-300
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	60,800	61,800	60,500	61,000	-800

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy